

1 (Sem-5/FYUGP) HIN 41 MJ

2025

HINDI
(Major)



Paper : HIN0500104

(आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता)

Full Marks : 60

Time : 2½ hours

*The figures in the margin indicate full marks
for the questions.*

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8
- (क) जायसी के गुरु कौन थे?
- (ख) “पुत्र विसरु जनि माता” यहाँ किस पुत्र की बात कही गई है?
- (ग) मीराँबाई का विवाह किसके साथ हुआ था?
- (घ) ‘कबीर परिचयी’ किनकी रचना है?
- (ङ) तुलसीदास के गुरु कौन हैं?
- (च) ‘नंद का नंदन’ कौन है?
- (छ) घनानंद किस काव्यधारा के कवि हैं?
- (ज) बिहारी किसके दरबारी कवि थे?

(2)

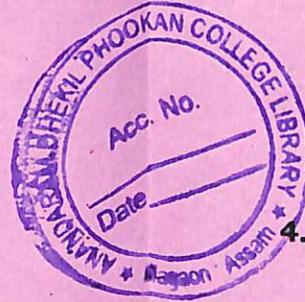
2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं छः के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए :
2×6=12

- (क) बीजक के कितने खंड हैं? उनके नाम लिखिए।
- (ख) घनानंद के पदों में प्रयुक्त 'सुजान' शब्द का तात्पर्य क्या है?
- (ग) रसखान की दो काव्यिक विशेषताएँ क्या-क्या हैं?
- (घ) भूषण द्वारा प्रयुक्त किन्हीं दो छंदों का नामोल्लेख कीजिए।
- (ङ) "अज्यौ तर्यौना ही रह्यौ श्रुति सेवत इक रंग।" यहाँ 'तर्यौना' से क्या तात्पर्य है?
- (च) "अब कै राखि लेहु भगवान।" सूरदास को क्यों ऐसा कहना पड़ा?
- (छ) विद्यापति ने कितनी भाषाओं में काव्य रचना की थी? नाम लिखिए।
- (ज) "मेरी भव-बाधा हरौ" किसने किससे अपनी बाधा हरने की प्रार्थना की है?
- (झ) "देखि सीय सोभा सुखु पावा। हृदय सराहत बचनु न आवा।"
—का आशय स्पष्ट कीजिए।
- (ञ) "सरवर तीर पदमिनी आई।
खौपा छोरि केस मुकलाई॥"
—का आशय स्पष्ट कीजिए।

(3)

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के संक्षिप्त उत्तर दीजिए :
5×4=20

- (क) 'मानसरोदक खंड' के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।
- (ख) कवि रसखान का साहित्यिक परिचय दीजिए।
- (ग) 'बाल-वर्णन' में वर्णित सूरदास के कृष्ण की शोभा का परिचय दीजिए।
- (घ) गंगा के प्रति विद्यापति की धारणा कैसी थी?
- (ङ) 'पुष्पवाटिका-प्रसंग' के आधार पर सीता के सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।
- (च) पठित दोहों के आधार पर बिहारी की शृंगार-भावना संबंधी विशेषताएँ लिखिए।
- (छ) कबीर ने माया को 'महाठगिनि' क्यों कहा है?
- (ज) कवि भूषण का साहित्यिक परिचय दीजिए।



4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के सम्यक् उत्तर दीजिए :
10×2=20

- (क) "घनानंद प्रेम के उन्मुक्त गायक थे।" पठित पदों के आधार पर इस उक्ति की पुष्टि कीजिए।
- (ख) विद्यापति की शृंगार-भावना पर प्रकाश डालिए।
- (ग) कबीर की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।
- (घ) 'विनय' के पदों के आधार पर सूरदास के आराध्य देवता का वर्णन कीजिए।

(4)

(ड) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

“लिखन बैठि जाकी सबी, गहि गहि गरब गरूर।
भए न केते जगत के, चतुर चितैरे कूर॥
बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ।
सौह करै भौहँनु हँसे, दैन कहँ नटि जाइ॥”

★ ★ ★

